भारत - ओमान संबंध

ओमान सल्तनत, जो भारत का समुद्री पड़ोसी है, एक सामरिक साझेदार तथा ए जी सी सी, अरब लीग एवं आई ओ आर ए के संदर्भों में क्षेत्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण वार्ताकार है। ओमान भी भारत के साथ अपने संबंधों को उच्च प्राथमिकता देता है। दोनों देश भूगोल, इतिहास और संस्कृति के माध्यम से जुड़े हुए हैं। दोनों देशों के अच्छे और मधुर संबंध हैं जिसका श्रेय ऐतिहासिक सामुद्रिक व्यापारिक संपर्क, शाही परिवार का भारत के साथ अपनत्व और ओमान के निर्माण में भारतीय प्रवासी समुदाय की अहम भूमिका को दिया जा सकता है, जिसे ओमान सरकार द्वारा भी मान्यता दी जाती है।

द्विपक्षीय यात्राएं :

भारत और ओमान के बीच उच्चतम स्तर पर द्विपक्षीय यात्राएं होती रहती हैं। राष्ट्रपति डॉ0 शंकर दयाल शर्मा (1996) और उप राष्ट्रपति श्री कृष्ण कांत (1999) ने ओमान की यात्रा की थी। चार प्रधान मंत्रियों ने सल्तनत की यात्रा की: श्री राजीव गांधी (1985), श्री पी. वी. नरसिम्हा राव (1993), श्री अटल बिहारी वाजपेयी (1998) और डॉ0 मनमोहन सिंह (2008)।

हिज मैजेस्टी सुल्तान काबूस बिन सईद अल सईद ने 1997 में भारत का दौरा किया था। हिज मैजेस्टी को भारत आने का खुला निमंत्रण दिया गया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समझ के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार प्राप्त करने के लिए निमंत्रण शामिल है। मंत्रिपरिषद के उप प्रधान मंत्री हिज हाईनेस सईद फहद बिन महमूद अल सईद ने दिसंबर 2007 में भारत का दौरा किया था।

मंत्री स्तरीय दौरे नियमित रूप से होते रहते हैं। विदेश मामलों के मंत्री महामहिम यूसुफ बिन अलावी बिन अब्दल्ला ने फरवरी 2014 में भारत का दौरा किया था और फिर आम चुनावों के बाद नए भारतीय नेतृत्व को शुभ कामनाएं प्रेषित करने के लिए 3 जून को पुन: यात्रा की जिससे ओमान नई सरकार के कार्य भार संभालने के बाद एक उच्च स्तरीय प्रतिष्ठित व्यक्ति को भेजने वाला दुनिया का पहला राष्ट्र बन गया। विदेश राज्य मंत्री ने 3 से 5 मई तक द्विपक्षीय सहभागिता के लिए ओमान का दौरा किया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री महामहिम डॉ0 अली बिन मसूद अल सुनैदी ने संयुक्त आयोग की बैठक के लिए अक्टूबर 2014 में भारत का दौरा किया।

ओमान के विदेश मामलों के लिए जिम्मेदार मंत्री महामहिम श्री युसूफ बिन अलावी बिन अब्दुल्लाह के निमंत्रण पर विदेश एवं प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 17 और 18 फरवरी 2015 को ओमान की अपनी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा की।

भारतीय वायु सेना प्रमुख ने अगस्त 2015 में मस्कट का दौरा किया तथा रॉयल नेवी ऑफ ओमान के कमांडर ने सितंबर 2015 में भारत का दौरा किया। भारतीय नौसेना के पालदार जहाज आई एन एस तरंगिनी ने मई 2015 में मस्कट का दौरा किया। भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े के चार प्रमुख जहाजों अर्थात आई एन एस दीपक, तबार, दिल्ली और त्रिशूल ने सितंबर 2015 में मस्कट बंदरगाह पर एक संयुक्त

काल किया।

2015 भारत - ओमान राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ था। हीरक जयंती मनाने के लिए पूरे वर्ष अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी समाप्ति दिसंबर 2015 में आई एन एस तरंगिनी और शबाब ओमान की मस्कट से कोच्चि तक संयुक्त यात्रा के साथ हुई। दोनों जलयानों ने हिंद महासागर होते हुए भारत एवं ओमान के बीच पुराने मसाला व्यापार मार्गों को ढूंढ़ निकाला।

विद्यमान द्विपक्षीय करारों में निम्नलिखित शामिल हैं : अपराध से लड़ने, कृषि में सहयोग, नागन विमानन, ओमान के स्टेट ऑडिट इंस्टीट्यूशन और भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय के बीच सहयोग, दोहरे कराधान से बचाव, द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण, प्रत्यर्पण संधि संबंधी समझौता ज्ञापन, जनशक्ति संबंधी समझौता ज्ञापन, संयुक्त निवेश निधि संबंधी समझौता ज्ञापन और सांस्कृतिक सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन, आपराधिक मामलों में कानूनी एवं न्यायिक सहयोग संबंधी करार और मानकों एवं उपायों पर एम ओ यू।

2008 में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की मस्कट यात्रा के दौरान ऐतिहासिक द्विपक्षीय संबंधों को एक सामरिक साझेदारी के रूप में स्तरोन्नत किया गया। हिज मैजेस्टी सुल्तान के आर्थिक योजना संबंधी सलाहकार और भारत के योजना आयोग के उपाध्यक्ष के नेतृत्व में आर्थिक सहयोग संबंधी एक उच्च समिति ने सहयोग के लिए 9 क्षेत्रों : कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, अवसंरचना, पर्यटन, रसायन एवं उर्वरक, शिक्षा, तेल और गैस, ऊर्जा एवं खनन को अभिचिह्नित किया गया।

वार्षिक भारत - ओमान कूटनीतिक परामर्श समूह (आई ओ एस सी जी) की बैठकें सचिव स्तर पर वर्ष 2003 में आरंभ हुई थीं ताकि द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर के खुले और निष्पक्ष आदान - प्रदान के लिए एक मंच उपलब्ध हो सके। आई ओ एस सी जी की 10वीं बैठक 03 दिसम्बर 2014 को नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। भारत - ओमान सामरिक वार्ता की तीसरी बैठक नवंबर 2015 में मस्कट में हुई थी।

भारत-ओमान आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध- सिंहावलोकन

ओमान के साथ द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ा है और यह वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान 5.77 बिलियन यूएस डॉलर था। तथापि, 2014-15 में विभिन्न कारणों से परंतु मुख्य रूप से तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर गिरावट के कारण व्यापार में 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई तथा यह 4.l3 बिलियन यूएस डॉलर रह गया। 2015-16 के पहले 6 महीनों के दौरान, द्विपक्षीय व्यापार 1.839 बिलियन यूएस डॉलर पर पहुंच गया। 2014-15 में भारतीय आयात का मूल्य 1.75 बिलियन अमरीकी डॉलर था जबकि ओमान को निर्यात का मूल्य 2.37 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारतीय निर्यात की वस्तुओं में खनिज ईंधन, खनिज तेल और उनके डिस्टिलेशन के अन्य उत्पाद, वस्त्र और परिधान, मशीनरी और उपकरण, बिजली के और इलैक्ट्रॉनिक सामान, रासायनिक वस्तुएं, लौह एवं इस्पात उत्पाद के अतिरिक्त

चाय, कहवा, मसाले, चावल और मांस उत्पाद तथा सी-फूड जैसी परंपरागत वस्तुएं शामिल हैं। भारतीय आयातों में यूरिया, एलएनजी, कच्चा तेल (स्पॉट परचेज के माध्यम से), पॉलीप्रोपीलीन, लुब्रिकेटिंग ऑयल, खजूर और क्रोमाइट अयस्क शामिल हैं। व्यापार के संबंध में एक भारत-जीसीसी संरचना करार मौजूद है और जीसीसी के साथ एफटीए को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

यूएस मिलियन डॉलर में भारत-ओमान द्विपक्षीय व्यापार; स्रोत, डीजीएफटी

वित्त वर्ष	*निर्यात (मिलियन अमरीकी डालर में)*	*आयात*	*कुल व्यापार*	*प्रतिशत वृद्धि*	*% भारत के कुल व्यापार का हिस्सा*
2010-11	1086.48	4002.07	5088.55	12.26	0.82
2011-12	1322.13	3345.94	4668.08	-8.26	0.59
2012-13	2599.49	2009.72	4609.21	-1.26	0.58
2013-14	2812.27	2951.18	5763.45	25.04	0.75
2014-15	2,379.46	1,752.24	4,131.70	-28.31	0.54

भारतीय वित्तीय संस्थाओं में से, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, जीवन बीमा निगम (एलआईसी), न्यू इंडिया एस्योरेंस कम्पनी, टेलीकम्यूनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल), इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल), इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड (ईपीआईएल) और राष्ट्रीय भवन निर्माण कंपनी (एनबीसीसी) ने ओमान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। विप्रो, लार्सन एंड टूब्रो, शपूरजी पालनजी, जिंदल, आदित्य बिरला ग्रुप, नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी, सिम्प्लेक्स, केईसी इंटरनेशनल जैसी निजी क्षेत्र की कुछ कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं में लगी हुई हैं। भारतीय निर्माण कंपनियों ने ओमान में 2014 में मेगा निर्माण परियोजनाएं हासिल की हैं तथा 2015 में भी उन्होंने ऐसा करना जारी रखा है।

संयुक्त आयोग की बैठक (जेसीएम) और संयुक्त व्यावसायिक परिषद (जेबीसी) जैसे संस्थागत कार्यतंत्र स्थापित किए गए हैं जो भारत और ओमान के बीच आर्थिक सहयोग का पर्यवेक्षण करते हैं। जेसीएम का 7वां सत्र और जेबीसी का 8वां सत्र (फिक्की और ओसीसीआई के समन्वय से) अक्टूबर 2014 में नई दिल्ली में आयोजित हुए थे और ओमान-भारत बी-टू-बी रोड शो (सीआईआई और ओसीसीआई के समन्वय से) नई दिल्ली और मुम्बई में आयोजित हुए थे। भारत-ओमान संयुक्त निवेश निधि (ओआईजेआईएफ), जो भारतीय स्टेट बैंक तथा ओमान के स्टेट जनरल रिजर्व फंड (एसजीआरएफ) के बीच संयुक्त उपक्रम है, और भारत में निवेश के एक स्पेशल परपज व्हीकल के रूप में जुलाई 2010 में स्थापित किया गया था, ने वर्ष 2011 में अपना काम-काज आरंभ कर दिया है, जिसमें 100 मिलियन यूएस डॉलर की आरंभिक निधि लगाई गई थी जिसका पूरी तरह उपयोग कर लिया गया है और 300 मिलियन यूएस डॉलर की दूसरी किस्त की पूंजी के

संबंध में सहमति प्राप्त हो चुकी है।

भारत-ओमान संयुक्त उपक्रम :

भारतीय कंपनियों ने ओमान में निवेश करने एवं परियोजनाएं निष्पादित करने का काम जारी रखा है। ओमान में 2900 से अधिक भारतीय उद्यम एवं स्थापनाएं हैं जिनके निवेश का मूल्य 4.5 बिलियन यूएस डॉलर से अधिक है। सुर (ओमान) में स्थित 969 मिलियन यूएस डॉलर की ओमान इंडिया फर्टिलाइजर कंपनी (ओमिफको) विदेश में भारत का सबसे बड़ा संयुक्त उपक्रम है जो दीर्घकालिक बाई-बैक करार के साथ जनवरी 2006 में आरंभ हुई थी जिसके तहत भारत ग्रेन्यूलेटेड यूरिया और 0.255 मीट्रिक टन अमोनिया के सम्पूर्ण उत्पादन का आयात कर लेता है।

इफको और कृभको ओमान ऑइल कंपनी (ओओसी) के साथ उपक्रम में समान भागीदार हैं। गैस की आपूर्ति के लिए संशोधित मूल्य के संबंध में जुलाई 2012 के दौरान एक करार पर हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड (बीओआरएल), जो भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और ओमान ऑइल कंपनी (ओओसी) द्वारा प्रमोट की गई है, ने मध्य प्रदेश के बीना में कच्चे तेल के सिस्टम के साथ 6 एमएमटीपीए ग्रासरूट रिफाइनरी स्थापित की है। भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड (बीओआरएल), जो 2.4 बिलियन यूएस डॉलर की परियोजना है, का उद्घाटन मई 2011 में किया गया था।

जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) ने अबू धाबी के अल गेथ होल्डिंग पीजेएससी से ओमान स्थित शहीद आयरन एंड स्टील कंपनी एलएलसी को 464 मिलियन यूएस डॉलर में अधिग्रहीत कर लिया है और वर्तमान में सोहार इंडस्ट्रियल पोर्ट पर 1.5 एमटीपीए गैस आधारित गर्म ब्रिकेटेड आयरन प्लांट चला रहा है। जिंदल शहीद आयरन एंड स्टील (जेएसआईएस) ने इलैक्ट्रिक आर्क फरनेस और लेडल रिफाइनिंग फरनेस के नए यूनिट स्थापित करके हाल ही में विस्तार किया है। जेएसपीएल ने जेएसआईएस के नए एकीकृत यूनिट के वित्त पोषण के लिए बैंक मस्कट के साथ 725 मिलियन यूएस डॉलर के दीर्घकालिक ऋण संबंधी करार पर हस्ताक्षर किए हैं। ओमान के जुबेर ग्रुप के साथ लार्सन एंड टूब्रो के चार बड़े संयुक्त उपक्रम हैं: लार्सन एंड टूब्रो ओमान एलएलसी, लार्सन एंड टूब्रो इलैक्ट्रोमैक एलएलसी, लार्सन एंड टूब्रो मॉड्यूलर फैब्रिकेशन यार्ड एलएलसी और लार्सन एंड टूब्रो हैवी इंजीनियरिंग एलएलसी।

भारतीय कंपनियों एवं उनके संयुक्त उद्यमों को ओमान में आज भी अवसंरचना निर्माण की परियोजनाएं, गैस पाइप लाइन, भंडारण सुविधाओं की परियोजनाएं मिल रही हैं तथा वे स्वास्थ्य देखरेख एवं कृषि उद्योगों में सक्रियता से मौजूद हैं।

वर्ष 2014-15 के दौरान बड़े आर्थिक - वाणिज्यिक आदान-प्रदान :

भारत की ओर से, ऑयल एंड गैस वेस्ट एशिया (ओ जी डब्ल्यू ए) प्रदर्शनी (मार्च 2014) में तेल एवं गैस क्षेत्र से व्यापार शिष्टमंडल, बिग शो (2014 एवं 2015) में विनिर्माण क्षेत्र से व्यापार प्रतिनिधिमंडल,

कॉमेक्स प्रदर्शनी (अप्रैल 2014 एवं 2015) में इलैक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ई एस सी) का आई टी प्रतिनिधिमंडल, ओमान स्वास्थ्य प्रदर्शनी एवं सम्मेलन (मार्च 2014 एवं 2015) में भाग लेने के लिए भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफ आई ई ओ) का चिकित्सा प्रतिनिधिमंडल, और 'इन्फ्रा ओमान शो' (अक्टूबर 2014) में फिक्की का इन्फ्रा प्रतिनिधिमंडल 2014 और 2015 की पहली तिमाही के दौरान प्रमुख व्यापारिक आदान - प्रदान थे। 7 स्वास्थ्य देखरेख संस्थानों / अस्पतालों तथा खाद्य उद्योग से 15 फर्मों ने सितंबर 2015 में ओमान चिकित्सा स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती प्रदर्शनी के अलावा ओमान खाद्य एवं अतिथि सत्कार प्रदर्शनी में भी भाग लिया। भारतीय कंपनियों ने नवंबर 2015 में मस्कट में पहली खनिज एवं खनन प्रदर्शनी में भाग लिया।

ओमान की ओर से, 'ज्वाइन अस टू अकंप्लिश' पहल के तहत, ओमान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ओसीसीआई) के लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का बंगलौर का दौरा (3/1014); स्वास्थ्य क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के लिए भारतीय मामलों के अवर सचिव के नेतृत्व में ओमान के स्वास्थ्य मंत्रालय का चिकित्सा शिष्टमंडल और नवंबर 2014 में चतुर्थ अरब-भारत भागीदारी सम्मेलन में भाग लेने के लिए पब्लिक अथॉरिटी फॉर इनवेस्टमेंट प्रोमोशन एंड एक्सपोर्ट डवलपमेंट (पेइपेड/इथरा) के अध्यक्ष का भारत दौरा उल्लेखनीय हैं। इथरा, ओमान के अध्यक्ष की अंदरूनी निवेश एवं निर्यात संवर्धन एजेंसी के नेतृत्व में खाद्य प्रसंस्करण, उर्वरक तथा प्लास्टिक क्षेत्र आदि से ओमान की 14 कंपनियों के एक शिष्टमंडल ने 10 से 13 अगस्त के दौरान भारत का दौरा किया तथा सी आई आई के साथ एक अंत:क्रियात्मक सत्र, भारतीय आयातकों, एजेंटों एवं विनिर्माताओं के साथ व्यवसाय सेमिनार एवं व्यवसाय दर व्यवसाय बैठकों का आयोजन किया। अक्टूबर में इथरा द्वारा भारत - ओमान निवेश बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 12 भारतीय कंपनियों ने भाग लिया।

व्यापार संवर्धन कार्यक्रम

ओमान जाने वाले भारतीय व्यापारिक शिष्टमंडलों के लिए बिजनेस टू बिजनेस बैठकों के अलावा, मिशन ने प्रधान मंत्री के 'मेक इन इंडिया' अभियान के अवसर पर सितंबर 2014 में प्रमुख ओमानी व्यवसायियों और अनिवासी भारतीयों/भारतीय मूल के लोगों के लिए व्यावसायिक चर्चा सत्र भी आयोजित किया। मिशन ने नवंबर 2014 में ओमान के व्यावसायियों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए बाजार विस्तार कार्यकलापों की संरचना के तहत 'भारत व्यावसायिक सेमिनार' का भी आयोजन किया था। भारतीय पर्यटन, दुबई के सहयोग से मिशन ने भारत के पर्यटन मंत्रालय के अद्यतन अभियान 'फाइंड व्हाट यू सीक' और 'इंडिया-ए 365 डेज डेस्टिनेशन' कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए अक्टूबर 2014 में 'भारत को जानें सेमीनार' और ओमान के नागरिकों को 'इलैक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथेराइजेशन के माध्यम से आगमन पर पर्यटक वीजा (टी वी ओ ए - ई टी ए)' सुविधा से परिचित कराने के लिए दिसंबर 2014 में एक सेमिनार का आयोजन किया।

दूतावास समय - समय पर भारत में व्यापार एवं निवेश के अवसरों के बारे में ओमान के कारोबारियों को जानकारी प्रदान करने के लिए कारोबारी बैठकों एवं अंतिथि भारतीय शिष्टमंडलों के लिए व्यवसाय दर व्यवसाय बैठकों का आयोजन करता है। भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों जैसे कि मेक इन इंडिया को

बढ़ावा देने तथा ओमान में भारतीय व्यवसाय के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए ओमान में भारतीय कारोबारी समुदाय के लिए दिसंबर 2105 में एक भारत व्यवसाय मंच का आयोजन किया गया।

आई टी ई सी कार्यक्रम

आई टी ई सी कार्यक्रम के अंतर्गत, ओमान के लिए आवंटित स्लॉटों की संख्या में 200 गुणा वृद्धि हो गई है। यह संख्या वर्ष 2011-12 में 50 थी, जो वर्ष 2012-13 में बढ़कर 85, वर्ष 2013-14 में 125 और वर्ष 2015-16 में 150 हो गई है।

हवाई संपर्क

वर्तमान में एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, स्पाइस जैट और जेट एयरवेज के साथ ओमान एयर भारत और ओमान के बीच उड़ानें संचालित कर रहे हैं। ओमान (मस्कट और सलालाह) तथा भारत के दर्जनों शहरों के बीच प्रति सप्ताह 400 से अधिक सीधी उड़ानें हैं।

ओमान में भारतीय समुदाय

- ओमान में विशाल, विविध, गुणवंत तथा अत्यधिक सम्मानि भारतीय प्रवासी समुदाय डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, शिक्षक, व्याख्याता, नर्स, प्रबंधक आदि के रूप में काम कर रहा है। बड़ी संख्या में भारतीय डॉक्टर ओमान के सरकारी अस्पतालों तथा निजी क्षेत्र के क्लीनिकों में काम कर रहे हैं। सुल्तान काबूस विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं संकायों में कुछ भारतीय शिक्षाविद भी हैं।
- हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में ओमान में रहने वाले भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों के उत्कृष्ट योगदान को भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कारों के माध्यम से मान्यता प्रदान की गई है।
- 19 स्कूल 42,000 भारतीय छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीबीएसई का पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं। निदेशक मंडल ओमान में भारतीय स्कूलों के विनियमन के लिए शासी निकाय है जिसमें दूतावास का एक प्रतिनिधि शामिल है।
- 2008 में प्रधानमंत्री की ओमान यात्रा के दौरान जनशक्ति पर हस्ताक्षरित एम ओ यू के अनुसार एक भारत - ओमान संयुक्त कार्य समूह गठित किया गया। अब तक इसकी 4 बैठकें हो चुकी हैं तथा चौथी बैठक सितंबर 2014 में मस्कट में हुई थी। पांचवीं बैठक भारत में आयोजित की जानी है। इन बैठकों में श्रम संबंधी विभिन्न मुद्दों, जैसे मानकीकृत आदर्श नियोजन संविदा, बैंकों के माध्यम से वेतन भुगतान, नियोक्ता द्वारा पासपोर्ट जब्ती, गैर-कानूनी भर्ती संबंधी सूचना का आदान-प्रदान और मानव तस्करी आदि, पर चर्चा की गई।

सांस्कृतिक संबंध

ओमान में सक्रिय भारतीय समुदाय अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं परंपराओं को जीवित रखे हुए है। इंडियन सोशल क्लब, जिसके 19 स्कंध हैं और सलालाह तथा सोहर में 2 शाखाएं हैं, ओमान सल्तनत के विभिन्न भागों में नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है।

राष्ट्रीय अभिलेखागारों के क्षेत्र में सक्रिय सहयोग किया जा रहा है। जून 2013 और मार्च 2014 में नेशनल रिकॉर्ड्स एंड आर्काइव्ज अथॉरिटी ऑफ ओमान के एक प्रतिनिधिमंडल ने ओमान से जुड़े 18वीं सदी के दस्तावेजों को देखने तथा उनकी प्रति प्राप्त करने और भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने के लिए भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली का दौरा किया।

रॉयल ऑपेरा हाउस मस्कट (आरओएचएम) ने वर्ष 2012-13 के अपने सत्र के लिए पहली बार, पंडित जसराज, जाकिर हुसैन और एल. सुब्रमण्यन समेत अलग-अलग भारतीय कला जत्थों की कुल आठ प्रस्तुतियों का कार्यक्रम तय किया था। भारत के नर्तकों, कलाकारों और शिल्पकारों ने मस्कट फेस्टिवल 2014 में भाग लिया। सितंबर 2014 में, सोनम कालरा के नेतृत्व में आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित एक सूफी कला जत्थे ने मस्कट, सलालाह और सोहर में प्रस्तुतियां दी। वर्ष 1955 में भारत-ओमान कूटनीतिक संबंधों की स्थापना के उपलक्ष्य में, वर्ष 2015 में हीरक जयंती समारोह मनाने के लिए तैयार किए गए अनेक कार्यक्रमों के भाग के रूप में, मस्कट फेस्टिवल 2015 में भाग लेने और गणतंत्र दिवस 2015 स्वागत समारोह में प्रस्तुति देने के लिए, आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित दो नृत्य समूह, एक गुजराती फॉक डांस ग्रुप एवं एक 15-सदस्यीय भांगड़ा एवं गिद्दा ग्रुप, जनवरी 2015 में मस्कट का दौरा किया। फरवरी 2015 में मस्कट महोत्सव का समापन ओमान के रॉयल आर्केस्ट्रा के साथ मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले के गायन के साथ हुआ। जून 2015 में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, अक्टूबर 2015 में भारतीय वस्त्रों की एक प्रदर्शनी 'वस्त्रम' आयोजित की गई तथा नवंबर 2015 में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक राजस्थानी लोक मंडली ने मस्कट, सलालाह, सोहर और सुर में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, मस्कट की वेबसाइट : http://www.indemb-oman.org/

भारतीय दूतावास, मस्कट का फेसबुक पृष्ठ : https://www.facebook.com/pages/Embassy-of-India-Muscat/142625425804515

इंडिया ग्लोबल- भारत और ओमान के रिश्तों को प्रदर्शित करता एआईआर एफएम गोल्ड का कार्यक्रम : http://www.youtube.com/watch?v=H5xVolgvNHQ

***

जनवरी, 2016